नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 205
दि. 26.11.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

गुरु साहिब का जीवन, बलिदान और चरित्र प्रेरणा का एक गहन स्रोत है; मुगल आक्रांताओं के उस काल में, गुरु साहिब ने साहस और वीरता के आदर्श स्थापित किए: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज हरियाणा के कुरुक्षेत्र में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन भारत की विरासत का एक अद्भुत संगम है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि सुबह वे रामायण की नगरी अयोध्या में थे और अब गीता की नगरी कुरुक्षेत्र में हैं। उन्होंने कहा कि सभी लोग श्री गुरु तेग बहादुर जी को उनके 350वें बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित संतों और सम्मानित संगत की उपस्थिति का आभार व्यक्त किया और सभी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

श्री मोदी ने 5-6 वर्ष पहले घटित एक और अद्भुत संयोग का समरण करते हुए बताया कि 9 नवंबर 2019 को, जब सर्वोच्च न्यायालय ने राम मंदिर पर अपना फैसला सुनाया, वे करतारपुर कॉरिडोर के उद्घाटन के लिए डेरा बाबा नानक में थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उस दिन वे राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने और करोड़ों राम भक्तों की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी की प्रार्थनाएँ उसी दिन राम मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाकर स्वीकार कर ली गईं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब, जब अयोध्या में धर्म ध्वजा स्थापित हो गई है, उन्हें एक बार फिर सिख संगत से आशीर्वाद लेने का अवसर मिला है।

श्री मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले ही कुरुक्षेत्र की धरती पर 'पाञ्चजन्य स्मारक' का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इसी धरती पर भगवान श्री कृष्ण ने सत्य और न्याय की रक्षा को सर्वोच्च कर्तव्य बताया था। श्री मोदी ने भगवान कृष्ण की वाणी का स्मरण करते हुए कहा कि सत्य के मार्ग पर चलने और अपने कर्तव्य के लिए प्राण त्यागना सर्वोच्च है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने भी सत्य, न्याय और आस्था की रक्षा को अपना धर्म माना और उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर इस धर्म का पालन किया। श्री मोदी ने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर, भारत सरकार को श्री गुरु तेग बहादुर जी के चरणों में एक स्मारक डाक टिकट और एक विशेष सिक्का समर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री ने कामना की कि सरकार इसी प्रकार गुरु परंपरा की सेवा करती रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि सिख परंपरा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि सिख परंपरा के लगभग सभी गुरु अपनी पवित्र यात्राओं के दौरान इस भूमि पर आए थे। उन्होंने स्मरण किया कि जब नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर जी, इस पवित्र भूमि पर आए, तो उन्होंने गहन तपस्या और निडर साहस की गहरी छाप छोड़ी।

श्री मोदी ने जोर देकर कहा, "श्री गुरु तेग बहादुर जी जैसे व्यक्तित्व इतिहास में दुर्लभ हैं और उनका जीवन, बलिदान और चरित्र प्रेरणा का एक महान स्रोत है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुगल आक्रमणों के दौरान, गुरु साहिब ने बहादुरी का आदर्श स्थापित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत से पहले, मुगल आक्रांताओं द्वारा कश्मीरी हिंदुओं को जबरन इस्लाम में परिवर्तित किया जा रहा था। इस संकट की घड़ी में, उत्पीड़ितों के एक समूह ने गुरु साहिब से सहायता मांगी। प्रधानमंत्री ने स्मरण किया कि गुरु साहिब ने उनसे कहा था कि वे औरंगजेब को स्पष्ट रूप से बता दें कि यदि श्री गुरु तेग बहादुर स्वयं इस्लाम स्वीकार करते हैं, तो वे भी इस्लाम धर्म अपना लेंगे।

श्री मोदी ने कहा कि ये शब्द श्री गुरु तेग बहादुर जी की निडरता की पराकाष्ठा को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि जिसका डर था, वही हुआ। क्रूर औरंगजेब ने गुरु साहिब को बंदी बनाने का आदेश दिया, लेकिन गुरु साहिब ने स्वयं दिल्ली जाने का निर्णय घोषित कर दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मुगल शासकों ने उन्हें प्रलोभनों से लुभाने की कोशिश की, फिर भी श्री गुरु तेग बहादुर अडिग रहे और अपनी आस्था और सिद्धांतों से समझौता करने से इनकार कर दिया।

जागृत युवा शक्ति वाला राष्ट्र बनता है महाशक्ति, युवाओं के लिए कुछ भी असंभव नहीं : योगी आदित्यनाथ

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के डायमंड जुबिली कार्यक्रम जम्बूरी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को संबोधित किया.

(जीएनएस)।

लखनऊ : 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के अंतर्गत मंगलवार को भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के डायमंड जुबिली कार्यक्रम के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबोधित किया. इस दौरान सीएम योगी ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत, विकसित भारत बनाने तथा वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए युवाओं का आह्वान किया. मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर हम सभी मिलकर कार्य करेंगे तो देश की कोई चुनौती शेष नहीं रहेगी. कार्यक्रम में मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया.

मुख्यमंत्री ने कहा कि जागृत युवा शक्ति वाला राष्ट्र ही महाशक्ति बनता है. युवाओं के लिए कुछ असंभव नहीं

है. मुख्यमंत्री ने कहा लगभग 61-62 वर्षों बाद यह भव्य आयोजन उत्तर प्रदेश में हो रहा है. इस दौरान मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण, महात्मा बुद्ध, तीर्थंकर भगवानों की उद्देश्य व महत्ता भी बताई. इसके अलावा देश की आजादी के वीरों-वीरांगनाओं के संघर्ष को याद किया.

युवा जाग जाएं तो बदल जाता है इतिहास : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यदि युवा संकल्प जाग जाए तो इतिहास बदल जाता है, युग परिवर्तन हो जाता है. जब किसी राष्ट्र का युवा जाग्रत होता है तो उसका वर्तमान यशस्वी होता है और उसका भविष्य अजेय हो जाता है. आपके सामने स्वामी विवेकानंद, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, मेजर ध्यानचंद के उदाहरण हैं जो सिद्ध करते हैं कि आयु कभी इतिहास रचना में बाधा नहीं बनती. भारत की ऋषि परंपरा कहती है: "आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः" यानी जहां से भी ज्ञान आए, उसके लिए द्वार खोल दो.

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का सपना हो रहा साकार ; मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश भर से आए युवा जब आपस में मिलकर भारत की विविधता को 19वीं जम्बूरी के माध्यम से एकता के सूत्र में बांध रहे हैं।

आईईपीएफए और सेबी 6 दिसंबर 2025 को जयपुर में 'निवेशक शिविर' का आयोजन करेंगे

भारत सरकार में कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के अंतर्गत विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए), भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के सहयोग से, 6 दिसंबर 2025 को सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक जयपुर में एक 'निवेशक शिविर' का आयोजन करेगा। यह पहल निवेशकों के लिए बिना दावे वाले डिविडेंड और शेयरों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए एक वन-स्टॉप सुविधा मंच के तौर पर काम करती है, साथ ही निवेशक सेवाओं और जमीनी स्तर पर शिकायत निवारण तक सीधी पहुंच भी प्रदान करती है। शिविर के जरिए, आईईपीएफए का लक्ष्य निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करना है: छः से सात साल से रखे अघोषित डिविडेंड की रिकवरी के लिए प्रत्यक्ष सुविधा।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने उपराष्ट्रपति से मुलाकात की

उपराष्ट्रपति को नागरिक उड्डयन मंत्रालय की प्रमुख पहलों और उपलब्धियों की जानकारी दी गई

(जीएनएस)।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू ने आज मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संसद भवन में भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की।

बैठक के दौरान, उपराष्ट्रपति को समकालीन आवश्यकताओं और वैश्विक मानकों के अनुरूप भारत के नागरिक विमानन क्षेत्र को मजबूत करने के लिए मंत्रालय द्वारा किए गए प्रमुख उपायों और पहलों के बारे में जानकारी दी गई।

उपराष्ट्रपति को किफायती हवाई यात्रा और प्रमुख बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता से अवगत कराया गया, जिसमें नए हवाई अड्डों का उद्घाटन, हवाई संपर्क का विस्तार, यात्री यातायात में रिकॉर्ड वृद्धि, ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना और नागरिक उड्डयन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के प्रयास शामिल हैं।

उपराष्ट्रपति को आरसीएस-उड़ान योजना के बारे में जानकारी दी गई, जिसका उद्देश्य असेवित और कम सेवा वाले मार्गों पर हवाई संचालन को बढ़ाना, संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना और आम जनता के लिए उड़ान को सुलभ बनाना है। इस ब्रीफिंग में रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए हवाई अड्डों पर स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाने के लिए मंत्रालय की पहलों पर भी चर्चा की गई।

उपराष्ट्रपति को भारतीय विमानन अधिनियम, 2024 के प्रमुख प्रावधानों के बारे में जानकारी दी गई। यह एक ऐतिहासिक विधायी सुधार है जिसका उद्देश्य सुरक्षा, नवाचार, विकास और वैश्विक अनुपालन को बढ़ाकर भारत के विमानन क्षेत्र का आधुनिकीकरण करना है।

प्रधानमंत्री 27 नवंबर को स्काईरूट के इन्फिनिटी कैंपस का उद्घाटन करेंगे

प्रधानमंत्री 27 नवंबर को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट के इन्फिनिटी कैंपस का उद्घाटन करेंगे। वह स्काईरूट के प्रथम ऑर्बिटल रॉकेट, विक्रम-क का अनावरण भी करेंगे, जिसमें उपग्रहों को कक्षा में प्रक्षेपित करने की क्षमता है। इस अत्याधुनिक केन्द्र में बहु-प्रक्षेपण वाहनों के डिजाइन, विकास, एकीकरण और परीक्षण के लिए लगभग 200,000 वर्ग फुट का कार्यक्षेत्र होगा, तथा हर महीने एक कक्षीय रॉकेट बनाने की क्षमता होगी।

स्काईरूट भारत की अग्रणी निजी अंतरिक्ष कंपनी है, जिसकी स्थापना पवन चंदना और भरत ढाका ने की है, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के पूर्व-छात्र और इसरो के पूर्व वैज्ञानिक हैं और अब उद्यमी बन गए हैं।

नवंबर 2022 में, स्काईरूट ने अपना सब-ऑर्बिटल रॉकेट, विक्रम-एस, लॉन्च किया, जिससे वह अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी बन गई।

निजी अंतरिक्ष उद्यमों का तेजी से उदय पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा किए गए परिवर्तनकारी सुधारों की सफलता का प्रमाण है।

धर्म ध्वजा केवल एक ध्वज नहीं है, बल्कि यह भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

राष्ट्र के सामाजिक-सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के अयोध्या में पवित्र श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराया।

ध्वजारोहण उत्सव मंदिर निर्माण के पूर्ण होने और सांस्कृतिक उत्सव एवं राष्ट्रीय एकता के एक नए अध्याय की शुरूआत का प्रतीक है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि आज अयोध्या नगरी भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक और उत्कर्ष-बिंदु की साक्षी बन रही है। श्री मोदी ने कहा, "आज पूरा भारत और पूरा विश्व भगवान श्री राम की भावना से ओतप्रोत है।" उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रत्येक राम भक्त के हृदय में अद्वितीय संतोष, असीम कृतज्ञता और अपार दिव्य आनंद है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सदियों पुराने घाव भर रहे हैं, सदियों का दर्द समाप्त हो रहा है और सदियों का संकल्प आज सिद्ध हो रहा है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि यह उस यज्ञ की परिणति है जिसकी अग्नि 500 वर्षों तक प्रज्वलित रही, एक ऐसा यज्ञ जिसकी आस्था कभी डगमगाई नहीं, आस्था क्षण भर के लिए भी खंडित नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आज भगवान श्री राम के गर्भगृह की अनंत ऊर्जा और श्री राम परिवार की दिव्य महिमा, इस धर्म ध्वजा के रूप में, इस दिव्यतम एवं भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हुई है।

श्री मोदी ने जोर देकर कहा, "यह धर्म ध्वजा केवल एक ध्वज नहीं है, बल्कि यह भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है।" उन्होंने बताया कि इसका केसरिया रंग, इस पर अंकित सूर्यवंश की महिमा, अंकित पवित्र ॐ और उत्कीर्ण कोविदार वृक्ष, रामराज्य की महानता के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि यह ध्वज संकल्प है, यह ध्वज सिद्धि है, यह ध्वज संघर्ष से सृजन की गाथा है, यह ध्वज सदियों से संजोए गए स्वप्नों का साकार रूप है, और यह ध्वज संतों की तपस्या और समाज की सहभागिता की सार्थक परिणति है।

यह घोषणा करते हुए कि आने वाली सदियों और सहस्राब्दियों तक, यह धर्म ध्वज भगवान राम के आदर्शों और सिद्धांतों का उद्घोष करेगा, श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि यह आह्वान करेगा कि विजय केवल सत्य की होती है, असत्य की नहीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह उद्घोषणा करेगा कि सत्य स्वयं ब्रह्म का रूप है और सत्य में ही धर्म की स्थापना होती है। उन्होंने कहा कि यह धर्म ध्वज जो कहा गया है उसे अवश्य पूरा करने के संकल्प को प्रेरित करेगा।

उन्होंने कहा कि यह संदेश देगा कि संसार में कर्म और कर्तव्य को ही प्रधानता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह भेदभाव और पीड़ा से मुक्ति और समाज में शांति और सुख की उपस्थिति की कामना व्यक्त करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह धर्म ध्वज हमें इस संकल्प के लिए प्रतिबद्ध करेगा कि हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जहां कोई गरीबी न हो और कोई भी दुखी या असहाय न हो।

श्री अमित शाह ने सिख धर्म के नौवें गुरु 'हिंद की चादर' गुरु तेग बहादुर जी को उनके 350वें शहीदी दिवस पर आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की

गुरु तेग बहादुर जी ने अपने एक ही जीवनकाल में गहन आध्यात्मिक साधना की, धार्मिक प्रवचन दिए और क्रूर आक्रमणकारियों से हमारी संस्कृति और आस्था की रक्षा भी की।

गुरु तेग बहादुर जी ने कश्मीरी पंडितों के लिए लड़ाई लड़ी, अत्याचारी मुगलों को चुनौती दी और धर्म के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

वीरता, संयम, निस्वार्थ भावना, श्रद्धा और समर्पण से परिपूर्ण गुरु साहिब जी के बलिदान की गाथा याद करके आज भी हृदय गर्व और राष्ट्र की रक्षा के नए संकल्प से भर जाता है।

(जीएनएस)।

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सिख धर्म के नौवें गुरु, 'हिंदी की चादर', गुरु तेग बहादुर जी को उनके 350वें शहीदी दिवस पर आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए पोस्ट में कहा है कि सिख धर्म के नौवें गुरु 'हिंद की चादर' गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर मैं उन्हें नमन करता हूं और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, "गुरु तेग बहादुर जी ने अपने एक ही जीवनकाल में गहन आध्यात्मिक साधना की, धार्मिक प्रवचन दिए और क्रूर आक्रांताओं से संस्कृति और धर्म की रक्षा की। उन्होंने कश्मीरी पंडितों के लिए युद्ध लड़ा, अत्याचारी मुगलों को चुनौती दी और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

भारत-नेपाल संयुक्त अभ्यास सूर्यकिरण IX - 2025 आज से शुरू

संयुक्त सैन्य अभ्यास "अभ्यास सूर्यकिरण क - 2025" का 19 वां संस्करण आज उत्तराखंड के पिथौरागढ़

में शुरू हुआ। यह अभ्यास 25 नवंबर से 8 दिसंबर 2025 तक चलेगा। 334 कर्मियों वाले भारतीय दल का प्रतिनिधित्व मुख्यतः असम रेजिमेंट के सैनिक कर रहे हैं। नेपाली पक्ष का प्रतिनिधित्व 334 कर्मियों वाले दल का प्रतिनिधित्व मुख्यतः देवी दत्ता रेजिमेंट के सैनिक कर रहे हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र अधिदेश के अध्याय VII के अंतर्गत उप-पारंपरिक अभियानों का संयुक्त रूप से पूर्वाभ्यास करना है।

महिला कबड्डी विश्व कप में भारत की जीत, पश्चिम रेलवे की सोनाली शिंगटे द्वारा शानदार प्रदर्शन

मुंबई,

भारत ने 17 से 24 नवंबर 2025 तक ढाका, बांग्लादेश में आयोजित द्वितीय महिला कबड्डी विश्व कप में रोमांचक फाइनल में चीनी ताइपे को हराकर खिताब अपने नाम किया। यह असाधारण उपलब्धि न केवल पूरे देश के लिए, बल्कि पश्चिम रेलवे के लिए भी अत्यंत गर्व का क्षण है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह पश्चिम रेलवे के लिए बहुत ही गर्व की बात है कि मुंबई सेंट्रल मंडल में डिप्टी चीफ टिकट इंस्पेक्टर (ऊट उळक) के तौर पर काम करने वाली सुश्री

सोनाली शिंगटे ने इंडियन टीम की राइट रेडर के तौर पर शानदार परफॉर्मेंस दी। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने अपनी रेड्स में जबरदस्त फुर्ती, कॉन्फिडेंस और सटीकता दिखाई, जिससे भारत की जीत में अहम योगदान मिला।

पश्चिम रेलवे को सुश्री सोनाली शिंगटे के डेडिकेशन और अचीवमेंट पर बहुत गर्व है। उनका योगदान न केवल इंडियन महिला कबड्डी टीम के लिए प्रतिष्ठा की बात है, बल्कि पूरे पश्चिम रेलवे परिवार के लिए भी बहुत सम्मान की बात है।

पश्चिम रेलवे भारतीय महिला कबड्डी टीम को दिल से बधाई देती है और सुश्री सोनाली शिंगटे को उनके इंस्पायरिंग परफॉर्मेंस के लिए सलाम करती है, जो रेलवे एथलीट्स के साथ-साथ देश भर के युवा खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहित करता है।

संचार साथी ने अक्टूबर 2025 में 50,000 से अधिक फोन रिकवर करने में मदद की, देश भर में डिजिटल सुरक्षा को मजबूती मिली

पुलिस और दूरसंचार विभाग के समन्वय से 7 लाख से अधिक हैंडसेट बरामदगी का रिकॉर्ड बना

कर्नाटक और तेलंगाना 1 लाख से अधिक हैंडसेट बरामदगी के साथ अग्रणी

मासिक बरामदगी में 47 प्रतिशत की वृद्धि से संचार साथी के बढ़ते प्रभाव का पता चलता है

भारत अब संचार साथी के माध्यम से हर मिनट एक खोया हुआ फोन बरामद करता है

दूरसंचार विभाग ने नागरिकों से डिवाइस की जांच और धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग के लिए संचार साथी ऐप का इस्तेमाल करने का आग्रह किया

संचार साथी ने डिजिटल इंडिया विजन के तहत नागरिक सुरक्षा को मजबूत किया

(जीएनएस)।

दूरसंचार विभाग ने घोषणा के अनुसार, उसकी डिजिटल सुरक्षा पहल, "संचार साथी" ने पहली बार अक्टूबर 2025 तक देशभर में 50,000 से अधिक खोए और चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट वापस पाने में कामयाबी हासिल की है। यह उपलब्धि नागरिकों की डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और तकनीक-संचालित शासन में जनता के विश्वास को दर्शाती है। देश भर में कुल मिलाकर रिकवरी 7 लाख के आंकड़े को भी पार कर गई है।

कर्नाटक और तेलंगाना शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे हैं, जहां प्रत्येक ने एक लाख से अधिक रिकवरी की है। महाराष्ट्र 80,000 से अधिक रिकवरी के साथ दूसरे स्थान पर है। उल्लेखनीय रूप से, जून से अक्टूबर, 2025 तक मासिक रिकवरी में 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो इस प्रणाली की बढ़ती दक्षता और पहुंच को दर्शाता है। इस प्रणाली की मदद से, देश भर में हर मिनट एक से अधिक हैंडसेट रिकवर किए जा रहे हैं।

इस उपलब्धि के मूल में एक मजबूत, स्वदेशी रूप से विकसित प्लेटफॉर्म है, जो स्वचालित वर्कफ्लो और तत्क्षण डिवाइस ट्रेसेबिलिटी को एकीकृत करता है। संचार साथी की उन्नत तकनीक ब्लॉक किए गए उपकरणों के दुरुपयोग को रोकती है। जब किसी रिपोर्ट किए गए हैंडसेट में सिम डाला जाता है, तो सिस्टम पंजीकृत नागरिक और संबंधित पुलिस स्टेशन, दोनों को अलर्ट भेजता है, जिससे तेज और अधिक कुशल रिकवरी संभव होती है।

यह सफलता निर्बाध सहयोग का परिणाम है। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिसकर्मियों, दूरसंचार विभाग की डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट (डीआईयू) और क्षेत्रीय संरचनाओं (एलएसए) ने मिलकर काम किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उपकरणों का कुशलतापूर्वक पता लगाया जा सके और उन्हें उनके असली मालिकों को वापस किया जा सके। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बलों के साथ नियमित क्षमता निर्माण कार्यक्रम और साझेदारियां जमीनी स्तर पर टिप्पणी और परिचालन संबंधी उत्कृष्टता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण रही हैं।

दूरसंचार विभाग ने नागरिकों से "संचार साथी" ऐप डाउनलोड करने का आग्रह किया है ताकि वे न केवल अपने खोए/चोरी हुए मोबाइल उपकरणों की रिपोर्ट कर सकें और उन्हें ब्लॉक कर सकें, बल्कि वे जो नए/पुराने उपकरण खरीदने का इरादा रखते हैं, उनकी प्रामाणिकता की भी जांच कर सकें। नागरिक इस ऐप के माध्यम से संदिग्ध धोखाधड़ी वाले कॉल/संदेशों की भी रिपोर्ट कर सकते हैं और बैंकों व वित्तीय संस्थानों के विश्वसनीय संपर्क विवरणों की भी जांच कर सकते हैं।

संचार साथी सरकार के डिजिटल इंडिया विजन के अनुरूप नागरिकों को सशक्त बनाने और डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह उपलब्धि डिजिटल तकनीकों, सतर्क पुलिस बलों और दूरसंचार विभाग की समर्पित टीमों द्वारा एक सुरक्षित, नागरिक-केंद्रित डिजिटल इको-सिस्टम के निर्माण में किए गए परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाती है।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने अहमदाबाद मंडल के दो कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पश्चिम रेलवे मुख्यालय, मुंबई में अहमदाबाद मंडल के दो कर्मचारियों श्री विकाससिंह, प्वाइंट्समैन और श्री कमलेश कुमार एम., लोको पायलट को उत्कृष्ट कार्य एवं सुरक्षित ट्रेन संचालन में महत्वपूर्ण योगदान के लिए संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। इन दोनों कर्मचारियों को अक्टूबर 2025 के दौरान अपनी सतर्कता, त्वरित निर्णय क्षमता और कर्तव्यनिष्ठा से संभावित दुर्घटनाओं को टालने के लिए सम्मानित किया गया।

03 अक्टूबर 2025 को सामाखियाली स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान प्वाइंट्समैन श्री विकाससिंह ने एक लॉन्ग हॉल ट्रेन के वैगन (उठउफ 5452113254) के एक्सल पर दो बोल्ट गायब पाए। उन्होंने तुरंत लाल सिग्नल देकर ट्रेन को रोका। जांच में बोल्ट गायब होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद उठफ के निदेर्शानुसार वैगन को उ&ह स्टाफ द्वारा अटेंड करने हेतु ट्रेन को लाइन नंबर 03 पर लाया गया और सुरक्षित तरीके से आगे की कार्यवाही की गई। उनकी सजगता के कारण एक संभावित गंभीर तकनीकी त्रुटि समय रहते टल गई।

04 अक्टूबर 2025 को ट्रेन संख्या 69243 असारवा-उदयपुर को चलाते समय लोको पायलट श्री कमलेश कुमार एम. ने हिम्मतनगर से आगे किलोमीटर 321/12-321/11 पर तीन अज्ञात व्यक्तियों को रेलवे ट्रैक पर वस्तुएँ रखते देखा। उन्होंने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाया और ट्रेन को अवरोध से लगभग 15 मीटर पहले सुरक्षित रूप से रोक लिया।

जांच में पाया गया कि ओएचई कैंटिलीवर असेंबली (रजिस्टर आर्म) का एक हिस्सा पटरियों पर गिरा हुआ था। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दी और लोहे की रॉड को सुरक्षित कर आगे की सभी प्रक्रियाएँ नियमों के अनुसार पूरी कीं। उनकी तत्परता और त्वरित निर्णय क्षमता ने एक बड़ी दुर्घटना को टालने में अहम भूमिका निभाई।

अहमदाबाद मंडल को अपने ऐसे कर्मठ और जिम्मेदार कर्मचारियों पर गर्व है, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी धैर्य, सतर्कता और पेशेवर दक्षता का परिचय देते हैं। यह सम्मान न केवल उनकी कर्तव्यपरायणता की सराहना है, बल्कि पश्चिम रेलवे की उस कार्य-संस्कृति का प्रतीक भी है, जहाँ संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है।

सुरेन्द्रनगर-चमारज सेक्शन में ब्लॉक के चलते रेल यातायात होगा प्रभावित

राजकोट,

राजकोट मंडल के सुरेन्द्रनगर-चमारज सेक्शन में नया रोड ओवर ब्रिज (आरओबी-48) बनाने के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। इस ब्लॉक के चलते 29 नवम्बर से लेकर 01 दिसम्बर, 2025 तक रेल यातायात प्रभावित होगा। प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

29 नवम्बर, 2025 को प्रभावित होने वाली ट्रेनें:

- ट्रेन नं 11466 जबलपुर-वेरावल एक्सप्रेस मार्ग में 02.00 घंटा रेगुलेट की जाएगी।
- ट्रेन नं 16337 ओखा-एणार्कुलम एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट रेगुलेट की जाएगी।
- ट्रेन नं 19120 वेरावल-गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट रेगुलेट की जाएगी।

30 नवम्बर, 2025 को प्रभावित होने वाली ट्रेनें:

- ट्रेन नं 19120 वेरावल-गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस वेरावल से अपने निर्धारित समय 7.30 बजे की जगह 2 घंटा विलंब से यानि 09.30 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन नं 19119 गांधीनगर कैपिटल-वेरावल एक्सप्रेस गांधीनगर कैपिटल से अपने निर्धारित समय 10.25 बजे की जगह 2 घंटा विलंब से यानि 12.25 बजे प्रस्थान करेगी।

1 दिसम्बर, 2025 को प्रभावित होने वाली ट्रेनें:

- ट्रेन नं 11464 जबलपुर-वेरावल एक्सप्रेस मार्ग में 03.00 घंटा रेगुलेट की जाएगी।
- ट्रेन नं 19119 गांधीनगर कैपिटल-वेरावल एक्सप्रेस गांधीनगर कैपिटल से अपने निर्धारित समय 10.25 बजे की जगह 1 घंटा विलंब से यानि 11.25 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन नं 16337 ओखा-एणार्कुलम एक्सप्रेस मार्ग में 55 मिनट रेगुलेट की जाएगी।
- ट्रेन नं 19120 वेरावल-गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस मार्ग में 45 मिनट रेगुलेट की जाएगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

मेट्रो की लाइन-5 से लगती सड़क पर काम शुरू, सीएम फडणवीस ने इस रूट के लिए क्यों दिया खास आदेश?

(जीएनएस)।

भिवंडी निजामपुरा सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने अंजुर फाटा से कल्याण नाका तक की सड़क पर बड़े पैमाने पर चौड़ीकरण अभियान शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जून में मेट्रो लाइन-5 से लगती सड़क के विस्तार का निर्देश दिया था। मुख्यमंत्री के आदेश के मुताबिक, मेट्रो लाइन 5 के साथ लगती सड़क को भी समान गति से चौड़ा किया जाए। दोनों प्रोजेक्ट एक-दूसरे को सपोर्ट करते हुए आगे बढ़ें। क्षेत्र में ट्रैफिक समस्या का समाधान करने के उद्देश्य से यह प्रोजेक्ट है।

निगम के अनुसार, मौजूदा 24 मीटर चौड़ी सड़क को बढ़ाकर 36 मीटर किया जाएगा। बढ़ते ट्रैफिक और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए यह चौड़ीकरण समय की जरूरत माना जा रहा है। इस रूट पर मेट्रो लाइन के विस्तार की वजह से आने वाले समय में सवारियों, ऑटो, दुपहिया वाहन की संख्या भी बढ़ सकती है।

सीएम फडणवीस का निर्देश

- सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस रूट के लिए निर्देश दिया है। मेट्रो लाइन-5 के साथ ही सड़क चौड़ीकरण का काम तय समय में पूरा करने की खास ताकीद की गई है।

- इसके लिए 732 प्रभावित लोगों को नोटिस जारी किए गए थे। अब तक 470 ढांचों को तोड़ा जा चुका था।

- आयुक्त अनमोल सागर के नेतृत्व में कई टीमें पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहीं और तेजी से कार्रवाई कर रही हैं। मेट्रो लाइन पर भी काम चल रहा है।

तेजी से चल रहा काम

अधिकारियों का कहना है कि रोजाना होने वाले ट्रैफिक को कम करने और मेट्रो लाइन 5 के काम को सुचारू रखने के लिए सड़क का विस्तार जरूरी है। उनका कहना है कि चौड़ी सड़क उत्तरी भिवंडी में भविष्य के विकास में मदद करेगी। मेट्रो शुरू होने के बाद आवागमन को और आसान बनाएगी। भिवंडी के मेट्रो से जुड़ने के बाद आम लोगों को काफी राहत मिलेगी। उपनगरीय इलाकों से रोजाना काम के लिए आने-जाने वाले लोगों के लिए मेट्रो एक सुविधाजनक विकल्प बन सकती है।

मुंबई लोकल यात्रियों को झेलनी पड़ेगी परेशानी, 8 दिसंबर तक रहेंगे कई ब्लॉक

(जीएनएस)।

सेंट्रल रेलवे के यात्रियों को मुंबई लोकल के कई रूट पर हो रहे ब्लॉक के चलते भारी असुविधा का सामना करना पड़ा रहा है। 24 नवंबर से 8 दिसंबर 2025 तक विभिन्न खंडों में सात बड़े पैमाने पर परिचालन ब्लॉक निर्धारित किए गए हैं।

आंतरिक समय-सारणी के अनुसार, पनवेल-कलंबोली, बदलापुर, निल्जे-दातिवली और लोनावाला-लोनावाला यार्ड खंडों में ब्लॉक कार्य किए जाएंगे। कुछ ब्लॉक दिसंबर की शुरूआत तक जारी रहेंगे, निल्जे-दातिवली खंड पर 7 और 8 दिसंबर को अतिरिक्त शटडाउन होंगे।

उपनगरीय, हार्बर लाइन और लंबी दूरी के कॉरिडोर पर ट्रेन सेवाओं के प्रभावित होने की उम्मीद है। विशेष रूप से, लंबी अवधि का लोनावाला यार्ड ब्लॉक 26 से 29 नवंबर के बीच महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगा।

26 नवंबर को ट्रेन संख्या 12134 (मैंगलोर-सीएसएमटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस) को कलंबोली में 50 मिनट के लिए नियंत्रित किया जाएगा। 30 नवंबर और 1 दिसंबर को भी इसी ट्रेन को कलंबोली में 50 मिनट के लिए नियंत्रित किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, ट्रेन संख्या 22193 (दौंड-ग्वालियर सुपरफास्ट एक्सप्रेस) को कर्जत-कल्याण-वसई रोड के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा और कल्याण में ठहराव प्रदान किया जाएगा।

मध्य रेलवे पर ब्लॉक की लिस्ट

निल्जे-दातिवली: 26 नवंबर से 2/3 दिसंबर 2025 तक। अतिरिक्त ब्लॉक: 7/8 दिसंबर 2025।

लोनावाला-लोनावाला यार्ड: 26 नवंबर से 6 दिसंबर 2025 तक। विशेष रूप से 26-29 नवंबर तक ट्रेन सेवाएं प्रभावित रहेंगी।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में वैश्विक आवाजों ने दो दमदार फिल्मों के जरिए मातृत्व, पहचान और इतिहास जैसे विषयों को नए दृष्टिकोण से परखा

अकिनोला की 'माई फादर्स शैडो' जीवन और राजनीति की कड़वी सच्चाइयों को बेपर्दा करती है

'मदर्स बेबी' गहरे भावों में डूबी कहानी कहती है और मातृत्व के अनेक रंगों को सामने रखती है

भारत के 56वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में आज दो बिल्कुल अलग, लेकिन भावनात्मक रूप से गूँजने वाली दुनियाएं एक साथ आईं। फिल्म 'मदर्स बेबी' और 'माई फादर्स शैडो' की टीमों ने शिल्प, स्मृतियों और इस बात पर एक जीवंत चर्चा की कि सिनेमा किस तरह हमारे जीए हुए अनुभवों को अंतरंग रूप में दशार्ता है। इस सत्र में 'मदर्स बेबी' के सिनेमैटोग्राफर रॉबर्ट ओबेरेनर और प्रोडक्शन डिजाइनर जोहान्स सलात के साथ, 'माई फादर्स शैडो' के निर्देशक अकिनोला ओगुनमेड डेविस शामिल हुए। अकिनोला की फिल्म इस समय वैश्विक स्तर पर सुर्खियाँ बटोर रही है। यह यूके की आधिकारिक ऑस्कर एंट्री है और कान्स में शामिल होने वाली पहली नाइजीरियन फिल्म भी है।

एक दिन, लेकिन पूरी ज़िंदगी का एहसासः अकिनोला की सहज फिल्ममेकिंग यात्रा

बातचीत की शुरूआत करते हुए अकिनोला ने बताया कि 'माई फादर्स शैडो' की जड़ें उनके भाई द्वारा लिखी गई एक शुरूआती लघु फिल्म में हैं। 1993 के नाइजीरियाई चुनावों की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म उनके बचपन की राजनीतिक तनाव से भरी यादों को प्रतिबिंबित करती है।

अकिनोला ने समझाया कि उनकी रचनात्मक प्रक्रिया का अधिकांश भाग सहज प्रवृत्ति से निर्देशित था। उन्होंने कहा, "सूक्ष्म कहानी पिता और उनके लड़कों की है। वृहद कहानी चुनाव की है, और सब कुछ मिश्रित हो जाता है।" फिल्म एक ही दिन के भीतर आगे बढ़ती है, एक ऐसा चुनाव जिसे अकिनोला मुक्त करने वाला बताते हैं। उन्होंने कहा, "इसने हमें स्वाभाविक रूप से तनाव बनाने की अनुमति दी। और एक ही दिन में सब कुछ होने से, हम निरंतरता से बंधे नहीं थे। हम भावनाओं पर ध्यान केंद्रित कर सकते थे।"

फिल्ममेकर ने शूटिंग के दौरान आई भावनात्मक और तकनीकी चुनौतियों पर बेझिझक बात की, खासकर बीच वाले सीक्वेंस पर-जहां 16 फिल्म गर्मी और आवाज के बीच संघर्ष करती रही। एक अंतिम संस्कार वाले दृश्य ने तो उन्हें पूरी तरह थका दिया। उन्होंने स्वीकार किया, 'मैं दो दिन बिस्तर पर ही रहा और रोता रहा,' और ऐसे पलों को उन्होंने 'शक्तिशाली फिल्ममेकिंग की गवाही' बताया।

इस दौरान अकिनोला ने दर्शकों को नाइजीरिया की आत्मा की एक गहरी झलक भी दी। उन्होंने देश के राजनीतिक परिदृश्य, भाषाई विविधता और इतिहास की शिक्षा में मौजूद खाईयों का ज़िक्र किया। अंग्रेजी, क्रियोल और स्ट्रीट वर्नैक्युलर-ये सभी उनकी फिल्म में जगह पाते हैं, और अकिनोला के लिए यह भाषाई सहजता नाइजीरिया की सामाजिक-सांस्कृतिक बनावट को दशार्ती है। उनके विचारों ने एक ऐसे देश की जीवंत तस्वीर पेश की, जिसे आज की वैश्विक सिनेमाई इतिहास में उतनी जगह नहीं मिली, जितनी मिलनी चाहिए।

'मदर्स बेबी' में मातृत्व की अनकही, बेचैन कर देने वाली परतें

'मदर्स बेबी' की टीम के लिए फिल्म की भावनात्मक धुरी एक ऐसी महिला की यात्रा है, जो प्रसव के बाद आने वाले उलझन भरे दौर से गुजर रही है। सिनेमैटोग्राफर रॉबर्ट ओबर्राइनर ने बताया कि उनका पहला उद्देश्य था 'उन असली बदलावों को दिखाना, जिनसे एक महिला प्रसव के दौरान गुजरती है।'

फिल्म जूलिया की कहानी का अनुसरण करती है जो एक मशहूर ऑर्केस्ट्रा कंडक्टर है और जिसकी बच्ची एक प्रयोगात्मक प्रजनन तकनीक से पैदा होती हैऔर जो उसके लिए किसी अनजानी-सी महसूस होती है। रॉबर्ट के अनुसार उनकी विजुअल अप्रोच इस तरह बनाई गई कि दर्शक 'उसके साथ चल सकें,' और उसके अस्थिर मनोवैज्ञानिक संसार में प्रवेश कर सकें।

प्रोडक्शन डिजाइनर जोहान्स सलात ने कहानी के विषय के महत्व पर जोर दियाः उन्होंने कहा, "यह एक ऐसा विषय है जो महिलाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है," और फिल्म को एक सार्वभौमिक कथा बताया जो "कहीं भी हो सकती है।" उनके लिए, फिल्म की दुनिया बनाना चुनौतीपूर्ण और सहज दोनों था, और उन्होंने जिस स्थान को अंततः चुना, वह "कहानी से संबंधित महसूस होता था।"

फिल्म का तनाव धीरे-धीरे बढ़ता है। दूसरे लोग बच्चे को जैसे देखते हैं और मां जैसे महसूस करती है, दोनों के बीच के हल्के लेकिन गहरे फर्क में। रॉबर्ट ने कहा, 'यही वह जगह है जहां सस्पेंस शुरू होता है।' उन्होंने फिल्म के ओपन-एंडेड क्लाइमैक्स पर भी बात की, जिसे उन्होंने एक ऐसी पहेली बताया जिसे दर्शकों को खुद सुलझाना होगा।

राह बदलने की कलाः फिल्ममेकिंग एक पुनर्निर्माण की प्रक्रिया

दोनों टीमों ने फिल्म निर्माण को एक लगातार बदलते रहने वाली प्रक्रिया बताया। रॉबर्ट ने कहा कि 'मदर्स बेबी' में कई बार ऐसा हुआ कि फिल्म के आगे के हिस्से के लिए सोचे गए शॉट्स शुरूआत में इस्तेमाल हो गए। उन्होंने स्वीकार किया कि बतौर सिनेमैटोग्राफर वह ऐसे बदलावों का पहले विरोध करते थे, लेकिन निर्देशक ने उन्हें याद दिलाया,'भावना पहले आती है, निरंतरता बाद में।'

जोहान्स ने भी सहमति जताई और कहा कि फिल्म बनाना अक्सर आपको वहां पहुंचा देता है, जहां जाने का आपने सोचा भी नहीं होता। उन्होंने कहा, 'कई बार आप उस जगह पहुंचते हैं जो आपकी कल्पना से कहीं बेहतर होती है।' अकिनोला ने भी यही विचार दोहराते हुए कहा, 'आप फिल्म को तीन बार बनाते हैं- लिखते समय, शूट करते समय और एडिटिंग में।' उनके अनुसार रास्ते में होने वाले बदलाव भटकाव नहीं बल्कि खोज होते हैं।

सत्र के समापन तक एक जीवंत अनुभवों का संगम सामने था-दो फिल्में, दो बिलकुल अलग दुनिया से निकली हुईं, लेकिन जुड़ी हुईं अपने सहज रचनात्मक प्रवाह, कलात्मक सच्चाई और कहानी कहने की उस अनिश्चित, जंगली यात्रा पर अटूट विश्वास से जुड़ी हुई थीं।

1952 में स्थापित, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) दक्षिण एशिया के सिनेमा का सबसे पुराना और सबसे बड़ा सिनेमा महोत्सव रहा है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) और गोवा एंटरटेनमेंट सोसाइटी ऑफ गोवा (ईएसजी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह महोत्सव एक वैश्विक सिनेमाई शक्ति केंद्र बन चुका है-जहां बहाल किए गए क्लासिक्स का संगम साहसिक प्रयोगों से होता है और जहां दिग्गज उस्तादों के साथ नए फिल्मकार भी एक ही मंच साझा करते हैं। जो चीज इफ्फी को खास बनाता है, वह है इसका जीवंत मिश्रण- अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक प्रदर्शन, मास्टरक्लास, श्रद्धांजलि, और जोश से लबरेज वेव्स फिल्म बाजार, जहाँ विचार, सौदे और सहयोग उड़ान भरते हैं। गोवा के मनमोहक समुद्री तटों की पृष्ठभूमि में 20 से 28 नवंबर तक आयोजित होने वाला 56वां संस्करण भाषाओं, शैलियों, नवाचारों और आवाजों का एक शानदार संगम पेश करने का वादा करता है जो वैश्विक मंच पर भारत की रचनात्मक प्रतिभा का एक डूबो देने वाला उत्सव है।

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में 6वीं डीआरएम चैंपियनशिप का शुभारंभ

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में अहमदाबाद मंडल स्पोर्ट्स एसोसिएशन (ADSA) द्वारा आयोजित 6वीं डीआरएम चैंपियनशिप का शुभारंभ 25 नवंबर 2025 को साबरमती स्थित स्पोर्ट्स ग्राउंड में किया गया। इस आयोजन की शुरूआत एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश द्वारा की गई।

वर्ष 2025-26 की इस चैंपियनशिप में 10 खेल और कुल 38 इवेंट शामिल हैं। अहमदाबाद मंडल के 16 विभागों के लगभग 1100-1200 कर्मचारी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं, जो इसे पश्चिम रेलवे की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिताओं में से एक बनाता है।

प्रतिस्पर्धा में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज और एथलेटिक्स सहित कई लोकप्रिय खेल शामिल हैं। कुल 16 टीमें विभिन्न विभागों, कारखाने, साबरमती स्टोर तथा गांधीधाम एरिया मैनेजर टीम से भाग ले रही हैं।

डीआरएम चैंपियनशिप का उद्देश्य खेल भावना को प्रोत्साहित करना, कर्मचारियों में टीमवर्क बढ़ाना तथा शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना है। यह आयोजन कर्मचारियों को खेलों के माध्यम से उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

भारत को 2047 तक विकसित बनाना है, समाज को शक्तिशाली बनाना है तो अपने भीतर राम को जगाना होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के बाद मंगलवार को कहा कि राम मात्र एक व्यक्ति नहीं, एक मूल्य हैं, एक मर्यादा हैं, एक दिशा हैं और अगर भारत को 2047 तक विकसित बनाना है, समाज को शक्तिशाली बनाना है तो अपने भीतर राम को जगाना होगा।

दरअसल शासन व्यवस्था की उत्वृष्टता की उपमा देने के लिए राम राज्य का उदाहरण दिया जाता है। रामायण में राम राज्य का उल्लेख उत्तरकांड में मिलता है, जहां श्रीराम के राज्याभिषेक के बाद स्थापित शासन का वर्णन मिलता है। इस काल में प्रजा अत्यन्त सुखी और समृद्ध थी, कोई दुखी और गरीब नहीं था और प्रवृत्ति भी अनुवूल थी। मतलब यह कि प्रजा को अतिवृष्टि या अनावृष्टि का सामना नहीं करना पड़ता था, राम राज्य एक ऐसी शासन व्यवस्था का आदर्श रूप है जहां धर्म, न्याय और समर्पण का पालन होता था और जहां कोई अन्याय और भ्रष्टाचार नहीं था।

असल में प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में इस बात का एहसास कराना चाहते थे कि भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का जो संकल्प उन्होंने लिया था, उसे समय पर पूरा करके यह साबित कर दिया कि "हम जो कहते हैं, वह करते हैं।" कर्तव्य का अटल संकल्प तभी पूरा हो सकता है, जब ईमानदारी पूर्वक प्रयास किया जाता है। सच तो यह है कि भारतीय राजनीति में जितना राम से दूरी बनाने की कोशिश की गई राम उतने ही दूसरी पाटा के नजदीक दिखे और जिस पाटा ने उसे अपनाया वह उस वर्ग विशेष से कट गई जिसने वर्षो से राम को काल्पनिक पात्र बनाकर रखा था। वामपंथी विचारधारा के इतिहासकारों और चितकों ने अपनी लक्ष्मण रेखा लांघ कर भगवान श्री राम की बात करने वालों को सांप्रदायिक और राम को काल्पनिक बताने वालों को धर्मनिरपेक्ष बताने की जो धृष्टता की थी, उसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय समाज राम के नाम पर दो वगरें में बंट गया। वर्ग का मतलब धर्म या महजब से नहीं है बल्कि विचारधारा से है।

बहरहाल इस देश की वैचारिक पहचान राम से है इसलिए स्वाभाविक है, जो भारतीयता को समाहित करेगा, वह 'राम और रामेति' को अपने से दूर कर ही नहीं सकता यह संयोग है कि आज की सरकार राम के प्रति इतनी समर्पित होने के कारण वामपंथी विचारधारा के लोगों के आलोचना की पात्र भी बनी हुई है। उन्हें विनम्र सलाह है कि वे इस अवसर को खोने का पाताप करके मन-मस्तिष्क को शांत करके स्थित प्रज्ञ बनने का प्रयास करें। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वगाय गोन्विन्द बल्लभ पंत ने आचार्य नरेन्द्र देव का इसलिए चुनाव में हराने के लिए प्रचार किया क्योंकि उन्होंने राम का विरोध किया था।

तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जब हस्तक्षेप किया तो पंत जी ने तपाक से जवाब दिया था कि राम कोई व्यक्ति नहीं बल्कि भाव हैं और वह तो हमारे व्यक्तित्व में रम गए हैं, घुल मिल गए हैं।

लेकिन नरेन्द्र देव तो अपनी ही पहचान को नाकार रहे हैं, ऐसे व्यक्ति का समर्थन करना असंभव है। एक समय था कि जब राम का नाम लेकर राजनीति कर पाना बहुत मुश्किल था किन्तु उस वक्त एक पाटा का समूचा वुल चुनाव आयोग और फजा धर्मनिरपेक्षों की नाराजगी को नजरंदाज करके राम को अपना बनाया और खुद के अस्तित्व का समर्पण कर दिया। उसने जो खतरा मोल लिया, वही उसके लिए लाभप्रद साबित हुआ। आज यदि संघ, भाजपा और विश्व हिन्दू परिषद समाज में राम के प्रति चेतना विकसित करना चाहती हैं तो

भारत रक्षा नवाचार के स्वर्णिम युग में प्रवेश कर रहा है; हमारे युवा उद्यमी राष्ट्र को एक निमार्ता, सृजनकर्ता और वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं: स्वावलंबन 2025 में रक्षा मंत्री

'भारत को आज की तेजी से विकसित होती दुनिया में सक्रिय, अग्रणी और भविष्य के लिए तैयार रहना चाहिए'

'क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ लागत दक्षता, विश्वसनीयता और रणनीतिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए एक सशक्त और आत्मनिर्भर घरेलू आपूर्ति श्रृंखला बनाने की आवश्यकता है'

श्री राजनाथ सिंह ने निजी क्षेत्र से सिर्फ मौद्रिक लाभ तक सीमित न रहते हुए राष्ट्रवाद, कर्तव्यबोध और रणनीतिक जिम्मेदारी को भी प्राथमिकता देने वाले 'लाभ-प्लस' दृष्टिकोण को अपनाने का आह्वान किया

(जीएनएस)। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 25 नवंबर 2025 को नई दिल्ली में आयोजित भारतीय नौसेना के स्वावलंबन सेमिनार के चौथे संस्करण में स्टार्ट-अप्स, एमएसएमई, शिक्षाविदों, उद्योग साझेदारों और उद्यम पूंजीपतियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 'भारत रक्षा नवाचार के स्वर्ण युग में प्रवेश कर रहा है। इसकी मजबूत नींव हमारे नवप्रवर्तकों और युवा उद्यमियों द्वारा रखी जा रही है, जो आर्थिक शक्ति, रणनीतिक दृष्टिकोण और तकनीकी प्रगति को एकीकृत कर रहे हैं।' श्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य और अस्थिर भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच भारत प्रतिक्रियात्मक रुख अपनाने का जोखिम नहीं उठा सकता; उसे सक्रिय, अग्रदृष्टि संपन्न व भविष्य के लिए तैयार रहना होगा। रक्षा मंत्री ने नवप्रवर्तकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनके पथ-प्रदर्शक समाधान राष्ट्र को केवल एक खरीदार के रूप में नहीं, बल्कि एक निमार्ता, सृजनकर्ता और वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरने में सक्षम बना रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने बल देकर कहा कि देश में दिखाई दे रहा स्वदेशीकरण आंदोलन केवल नीतिगत पहलों का परिणाम नहीं है, बल्कि सभी हितधारकों की सतत मेहनत और समर्पण का फल है। इसी सामूहिक प्रयास के कारण भारत अब आयातक से प्रौद्योगिकी निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा, 'यदि भारत आज एक उभरती समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है, तो इसका श्रेय भारतीय नौसेना के साथ-साथ हमारे नवप्रवर्तकों के उल्लेखनीय योगदान को भी जाता है।'

रक्षा मंत्री ने रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के उभरते आयामों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए निजी क्षेत्र से 'लाभ-प्लस' दृष्टिकोण अपनाने और ऐसी प्रणालियां एवं प्लेटफॉर्म विकसित करने का आह्वान किया, जो वैश्विक स्तर पर भारत की विश्वसनीयता का प्रतीक बन सकें। उन्होंने कहा, 'लाभ-प्लस दृष्टिकोण में केवल मौद्रिक लाभ ही नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद, कर्तव्य-बोध और रणनीतिक ज़िम्मेदारी भी शामिल है। हमारा लक्ष्य मात्र आर्थिक गतिविधि तक सीमित नहीं होना चाहिए; इसे एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में देखा जाना चाहिए।' श्री राजनाथ सिंह ने निजी उद्योग से राष्ट्रीय हितों को केंद्र में रखते हुए उत्पादन, तकनीक, डिजाइन और नवाचार में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने साथ ही आने वाले वर्षों में रक्षा निर्माण में निजी क्षेत्र के योगदान को 50% या उससे अधिक तक बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

रक्षा मंत्री ने विदेशों से आयातित रक्षा उपकरणों के रखरखाव, मरम्मत, ओवरहाल और स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति से उत्पन्न दीर्घकालिक वित्तीय बोझ का उल्लेख भी किया। उन्होंने आयात निर्भरता कम करने और एक बेहतर व आत्मनिर्भर घरेलू आपूर्ति श्रृंखला के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। श्री सिंह ने कहा, 'यदि हम कलपुर्जों और उप-प्रणालियों के स्थानीय विनिर्माण को सुदृढ़ करते हैं, तो हमारे स्वदेशी उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ेगा। इससे न केवल क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि लागत दक्षता, विश्वसनीयता और रणनीतिक स्वतंत्रता भी सुनिश्चित होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह तभी संभव है जब निजी क्षेत्र, स्टार्ट-अप, अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाएं और सरकारी संस्थान साझा दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ें।' उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में रक्षा नवाचार, स्वदेशी डिजाइन, उन्नत विनिर्माण तथा रणनीतिक स्वायत्तता जैसी बातें रक्षा विकास की प्रमुख प्रेरक शक्तियां बन जाएंगी।

श्री राजनाथ सिंह ने सशक्त रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए व्यापक सहयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए निजी उद्योग से आग्रह किया कि वे अगले बड़े प्लेटफार्म, क्रांतिकारी तकनीक या किसी अभूतपूर्व नवाचार की पहचान कर सरकार को अवगत कराएं। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी चुनौती का सामूहिक समाधान खोजने में सरकार और रक्षा संस्थान पूरा सहयोग देंगे। रक्षा मंत्री ने कहा, 'भारत रूपातंरित हो रहा है, रक्षा क्षेत्र परिवर्तित हो रहा है, भू-राजनीतिक परिस्थितियां बदल रही हैं तो हमें भी अपनी सोच में परिवर्तन लाना होगा। हमें अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि यह पीछे हटने का नहीं, बल्कि नए रास्ते बनाकर आगे बढ़ने का समय है।'

इस अवसर पर नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा कि स्वावलंबन पहल का दायरा, पैमाना और भागीदारी प्रत्येक नए संस्करण के साथ लगातार बढ़ी है। उन्होंने बताया कि पहले संस्करण में लगभग 800 प्रतिभागी थे, वहीं पिछले वर्ष यह संख्या बढ़कर प्रभावशाली 3,000 तक पहुंच गई। उन्होंने आगे बताया कि अब तक घोषित 565 आई

डेक्स चुनौतियों में भारतीय नौसेना की हिस्सेदारी 35% है, जो इस दिशा में नौसेना की सक्रिय भूमिका को दशार्ती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वावलंबन कार्यक्रम इस उपलब्धि को आगे बढ़ाने में केंद्रीय भूमिका निभा रहा है।

नौसेना प्रमुख ने बताया कि आईडेक्स चुनौतियों के माध्यम से स्टार्ट-अप और एमएसएमई द्वारा विकसित नवाचारों ने न केवल भारतीय नौसेना की क्षमताओं को सशक्त बनाया है, बल्कि सेना, वायु सेना, तटरक्षक बल व केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा उनकी सीधी खरीद के अवसरों को भी बढ़ाया है। यह एकीकृत, व्यापक रक्षा दृष्टिकोण को दशार्ता है, जो सशस्त्र बलों में नवाचार के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करता है।

स्वावलंबन, नौसेना नवाचार एवं स्वदेशीकरण संगठन का वार्षिक कार्यक्रम, सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स और डिफेंस इनोवेशन ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह मंच स्वदेशी तकनीकों के प्रदर्शन के साथ-साथ भारतीय नौसेना और देश के व्यापक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने का एक व्यापक अवसर प्रदान करता है।

प्रदर्शनी

सेमिनार के दौरान एक व्यापक प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्वायत्त प्रणालियों, संचार तकनीकों, क्वांटम कंप्यूटिंग, स्टील्थ समाधानों और स्मार्ट ऑर्डिनेंस जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक नवाचारों का प्रदर्शन किया गया। लगभग 80 एमएसएमई और स्टार्ट-अप्स ने भारतीय नौसेना की परिचालन और रणनीतिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किए गए अपने प्रोटोटाइप और समाधान प्रस्तुत किए। इस संस्करण में उन मूर्त उत्पादों को भी प्रदर्शित किया गया जो समय के साथ विकसित होकर अब जल्द ही परिचालन उपयोग के लिए तैनाती के चरण में पहुंच गए हैं। रक्षा मंत्री ने प्रदर्शनी का दौरा किया और स्टॉलों पर प्रदर्शित विभिन्न उपकरणों और तकनीकों का अवलोकन किया।

समझौता ज्ञापन-आयुध प्रणालियां

इस अवसर पर रक्षा मंत्री की उपस्थिति में भारतीय नौसेना, आईआईटी मद्रास और अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य आईआईटी मद्रास की शैक्षणिक अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं, भारतीय नौसेना की क्षेत्रीय विशेषज्ञता और परिचालन आवश्यकताओं, तथा अपोलो माइक्रो सिस्टम्स की उन्नत विनिर्माण क्षमताओं को एकीकृत करते हुए अत्याधुनिक आयुध प्रणालियों के स्वदेशी विकास और उत्पादन को सशक्त बनाना है।

सारथी एप्प

राजनाथ सिंह ने 'सारथी' अर्थात आयुध समीक्षा, विश्लेषण, ट्रैकिंग, संचालन और स्वदेशीकरण प्रणाली का भी शुभारंभ किया। यह एक उन्नत विश्लेषणात्मक और ज्ञान-प्रबंधन उपकरण है, जिसे नौसेना आयुध निरीक्षण एवं गुणवत्ता आश्वासन से जुड़े सभी मुद्दों के लिए एक समेकित वन-स्टॉप समाधान के रूप में विकसित किया गया है। यह एप्लिकेशन गोला-बारूद के संपूर्ण जीवन चक्र—विकास, उत्पादन, सेवा-काल उपयोग से लेकर अंतिम निपटान—तक सभी चरणों को कवर करता है। सारथी प्रणाली को उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (सी-डैक), चेन्नई द्वारा पूर्णतः डिजाइन और विकसित किया गया है।

नवाचार

विद्यार्थियों, शोधकताओं, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों और डेवलपर्स के लिए एक नौसेना हैकाथॉन 'इनौवेथॉन' की भी शुरूआत की गई, ताकि वे समुद्री क्षेत्र की वास्तविक परिचालन चुनौतियों के समाधान में अपनी बुद्धिमत्ता तथा रचनात्मकता का योगदान दे सकें। इस पहल के अंतर्गत प्रस्तुत चुनौतियों में स्वार्म एल्गोरिथ्म का विकास, स्केलेबल क्रॉस-प्लेटफॉर्म नेटवर्क ट्रैफिक एन्क्रिप्शन समाधान और उपग्रह-सचेत समुद्री मार्ग खुफिया प्रणाली के डिजाइन तथा विकास जैसी उच्च-स्तरीय तकनीकी आवश्यकताएं शामिल हैं।

संवादात्मक सत्र

इस अवसर पर नौसेना और रक्षा अताशे के साथ एक संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसके बाद प्रौद्योगिकी विकास त्वरण प्रकोष्ठ द्वारा प्रस्तुतियां दीं गईं, जिनमें स्वदेशीकरण एवं प्रौद्योगिकी अनुकूलन पहलों में प्रगति पर प्रकाश डाला गया। 'नवाचार और आत्मनिर्भरता' पर एक गहन चर्चा सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें रक्षा उद्यमिता को बनाए रखने वाले एक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर चर्चा की गई।

अन्य मुख्य बातें

इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री द्वारा 10 आईडेक्स विजेताओं को सम्मानित किया गया और प्रमुख दस्तावेजों - भारतीय नौसेना तकनीकी चुनौतियों एवं समस्या विवरणों का संग्रह, स्वावलंबन 4.0 दस्तावेज तथा आयुध स्वदेशीकरण संग्रह - का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सचिव (रक्षा उत्पादन) श्री संजीव कुमार और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत उपस्थित थे।

'रंगोलीः रूप, सुर, लय की - भारतीय सिनेमा के विहंगम शिखर व्यक्तित्व' - डीपीडी और एफटीआईआई पुणे के एक सहयोगी प्रकाशन का विमोचन किया गया

पुस्तक 'रंगोली' भारतीय सिनेमा की विरासत को दर्शकों के सामने प्रस्तुत करती हैः डीपीडी के प्रधान महानिदेशक, श्री भूपेन्द्र कैंथोला

एफटीआईआई हमारे लिए सभ्यतागत उपलब्धि है, 'रंगोली' जैसी पुस्तकें 'सिनेमा के लिए हमारी सेवा' हैंः एफटीआईआई के निदेशक श्री धीरज सिंह

56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में आज "रंगोलीः रूप, सुर, लय की - भारतीय सिनेमा के विहंगम शिखर व्यक्तित्व" का विमोचन किया गया, जो प्रकाशन विभाग निदेशालय (डीपीडी) और भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई), पुणे का एक संयुक्त प्रकाशन है।

पुस्तक में भारतीय सिनेमा की आठ प्रमुख हस्तियों- पैडी एस. जयराज, केदार शर्मा, मन्ना डे, हृषिकेश मुखर्जी, नीलू फुले, बसु चटर्जी, बालू महेंद्र और सुमित्रा भावे पर गहन लेख हैं।

विमोचन के अवसर पर, प्रकाशन विभाग निदेशालय (डीपीडी) के प्रधान महानिदेशक, श्री भूपेंद्र कैंथोला ने कहा कि यह पुस्तक भारतीय फिल्म एवं टेलिविजन संस्थान (एफटीआईआई) की प्रशंसित पत्रिका "लेंस साइट" की विरासत को आगे बढ़ाती है। उन्होंने कहा, "लेंस साइट मूल रूप से अंग्रेजी में प्रकाशित हुई थी, और हालाँकि एफटीआईआई ने बाद में इसका हिंदी संस्करण भी जारी किया, लेकिन इसकी पहुँच सीमित रही। डीपीडी ने अपने राष्ट्रव्यापी वितरण नेटवर्क के माध्यम से इसे एक बड़ा मंच और व्यापक पहुँच प्रदान करने का निर्णय लिया। हम भारतीय सिनेमा की इस समृद्ध विरासत को देश भर के सिने प्रेमियों के करीब लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" श्री कैंथोला ने आगे कहा कि पुस्तक का हिंदी में प्रकाशन भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप है, जो भारतीय भाषाओं में सीखने और सांस्कृतिक संसाधनों पर जोर देती है।

भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) के निदेशक श्री धीरज सिंह ने इस पुस्तक को भारत की सिनेमाई विरासत का प्रमाण बताया। सिंह ने कहा, "दुनिया में कई सिनेमाई सिद्धांत हैं, लेकिन जब हम

उन्हें अपने अनुभवों से जोड़ते हैं, तो लेंस साइट और रंगोली जैसी रचनाएँ उभरती हैं। ये सिनेमा के प्रति हमारी सेवा हैं।" उन्होंने एफटीआईआई जैसे संस्थानों के सांस्कृतिक महत्व पर भी जोर दियाः

श्री धीरज सिंह ने कहा, "एफटीआईआई, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान जैसे संस्थान सभ्यतागत उपलब्धियाँ हैं। ये हमारे देश की गहरी और जीवंत सिनेमा परंपरा के प्रमाण हैं।"

आईएफएफआई में रंगोली का शुभारंभ, सिनेमाई उत्कृष्टता का उत्सव मनाने और भारत की फिल्म विरासत को संरक्षित करने के लिए महोत्सव की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

पीसी लिंकः

पुस्तक के बारे मेंः "रंगोलीः रूप, सुर, लय की - भारतीय सिनेमा के विहंगम शिखर व्यक्तित्व" भारतीय सिनेमा की रचनात्मक विरासत पर आधारित है। यह पुस्तक प्रकाशन विभाग और भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई), पुणे का संयुक्त प्रकाशन है।

यह पुस्तक भारतीय सिनेमा की आठ महान हस्तियों - पैडी एस. जयराज, केदार शर्मा, मन्ना डे, हृषिकेश मुखर्जी, नीलू फुले, बासु चटर्जी, बालू महेंद्र और सुमित्रा भावे - के रचनात्मक योगदान, संघर्ष, प्रयोगात्मक दृष्टिकोण और कलात्मक यात्रा का विस्तृत चित्रण प्रस्तुत करती है।

सिनेमा के प्रारंभिक मूक युग से लेकर तकनीक, अभिनय, संगीत, निर्देशन और संपादन के विकास तक, यह पुस्तक पाठकों को भारतीय सिनेमा की जड़ों और उसकी सौंदर्य दृष्टि से परिचित कराती है। फिल्म निमार्ताओं के अनुभवों, कलात्मक दृष्टिकोण और रचनात्मक प्रक्रियाओं को प्रस्तुत करते हुए, यह कृति न केवल सिनेमा के विद्यार्थियों के लिए, बल्कि कला प्रेमियों के लिए भी अमूल्य शोध सामग्री का काम करती है।

आईएफएफआई के बारे में

1952 में स्थापित, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) दक्षिण एशिया में सिनेमा के सबसे पुराने और सबसे बड़े उत्सव के रूप में प्रतिष्ठित है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार और गोआ मनोरंजन सोसायटी (ईएसजी), गोवा सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, यह महोत्सव एक वैश्विक सिनेमाई शक्ति के रूप में विकसित हुआ है—जहाँ पुनर्स्थापित क्लासिक्स का मिलन साहसिक प्रयोगों से होता है, और दिग्गज कलाकार निडर पहली बार आने वाले कलाकारों के साथ मंच साझा करते हैं। आईएफएफआई को वास्तव में चमकदार बनाने वाला इसका विद्युत मिश्रण है—अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएँ, सांस्कृतिक प्रदर्शनियाँ, मास्टरक्लास, श्रद्धांजलि और ऊजार्वान वेव्स फिल्म बाजार, जहाँ विचार, सौदे और सहयोग उड़ान भरते हैं। 20 से 28 नवंबर तक गोआ की आश्चर्यजनक तटीय पृष्ठभूमि में आयोजित, 56वाँ संस्करण भाषाओं, शैलियों, नवाचारों और आवाजों की एक चकाचौंध भरी श्रृंखला —विश्व मंच पर भारत की रचनात्मक प्रतिभा का एक गहन उत्सव का वादा करता है।

धनिया देता है सुन्दर काया- शहनाज हुसैन

रसोई घर में सब्जियों का जायका बढ़ाने के लिए सर्दियों में प्रयोग किए जा रहे धनिए को हाल ही के वर्षों में सौंदर्य जगत का नया "राक्स्टार" माना जाने लगा है। सौंदर्य जगत में आज कल कील मुहांसों, तैलीय तथा शुष्क त्वचा, काले धब्बों के इलाज के लिए धनिए को हर्बल सौंदर्य प्रसाधन के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। घरेलू व्यंजनों को सुगन्ध प्रदान करने वाली जादुई जड़ी बूटी धनिए के नियमित उपयोग से कोलेस्टरोल को कम करने, पाचन तंत्र को मजबूत करने, हीमोग्लोबिन को बढ़ाने तथा चर्म रोगों के उपचार में मदद मिलती है । शरीर में पितवात को सन्तुलित एवं प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाली धनिये की हरी पत्तियाँ शरीर में अम्ल को कम करके चेहरे के दाग, धब्बों को कम करके चेहरे की आभा को बढ़ाती है। धनिए की हरी पत्तियां चबाने से शरीर में एनिमिया को रोकने में मदद मिलती है जो कि शुष्क तथा निष्प्राण त्वचा का मुख्य कारण है ताजा धनिया में विटामिन-सी, वीटा कारोटीन, एण्टीऑक्सीडैंट के गुण विद्यमान होते हैं तथा इसकी सुगन्ध से मानसिक व शारीरिक ताजगी का अहसास होता है जिससे आपकी त्वचा मुलायम, कोमल तथा चमकदार बनती है। धनिया की पत्तियों का पेस्ट खोपड़ी पर लगाने से खुजली तथा खुशकी से निजात मिलती है। धनिया को पीस कर थोड़ा सा शहद मिलाकर बने पेस्ट को खोपड़ी पर लगाने से ताजगी तथा सफुर्ति का अहसास होता है। धनिया तथा लैमन ग्रास के पेस्ट से कील मुहांसों को रोकने में मदद मिलती है।

एक चम्मच धनिया रश तथा एक चम्मच लेमन ग्रास को उबलते पानी में डालकर एक घण्टा तक रहने दें तथा इससे बने पेस्ट को कील, मुहांसों पर लगाकर आधा घण्टा बाद ताजे साफ पानी से धो डालिए। ताजा धनिया पत्तियों के जूस तथा नींबू जूस को मिलाकर कील-मुहांसों तथा ब्लैक हैडस पर लगाकर आधा घण्टा बाद साफ ताजे पानी से धो डालिए। धनिया का फेस पैक त्वचा में चमक तथा आभा बढ़ाता है। ताजा टमाटर, हरी धनिया की पत्तियां तथा गुलाब जल को मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद ताजे साफ जल से धो डालिए। गर्मियों में तापमान में वृद्धि तथा सूर्य की तेज किरणों से त्वचा में कालापन आ जाता है। आधा कप जई, एक चैथाई कप दही तथा एक चैथाई कप धनीया पत्तियों को काटकर मिक्सी में ब्लैंड कर लें तथा इस पेस्ट को चेहरे, गर्दन तथा आदि खुले भागों में लगाकर 20 मिनट बाद ताजे साफ पानी से धो डालिए तथा इससे गर्मियों में झुलसी त्वचा को शीतलता प्रदान होगी।

दो चम्मच धनिया पत्तियों का जूस तथा एक चम्मच नींबू जूस को मिलाकर रात को अपने होठों पर मालिश कर लें तथा इसे होठों पर रात भर रहने दें व सुबह ताजे पानी से धो डालें । इसे हफ्ते में दो बार प्रयोग करने से आपके होठ मुलायम तथा गुलाबी हो जाएंगे। गर्मियों में धूप से त्वचा अक्सर झुलस जाती हैं इसके उपचार के लिए एक चम्मच धनिया बीज पाउडर को एक कप सूर्यमुखी, बादाम या जैतून के तेल में एक हफ्ते तक इन्फ्यूज करके बने मिश्रण को सनबर्न से प्रभावित अंगों पर लगाने से शीतलता मिलती है। धनिए की पत्तियों के जूस को ऐलोवेरा से मिश्रित कर बने मिश्रण को लगाने से चेहरे पर झुर्रियां रोकने में मदद मिलती है। धनिया की पत्तियों, चावल के आटे तथा दही के मिश्रण से बने फेस पैक के लगाने से चेहरे की मांसपेशियां तथा कोशिकाएं तरो ताजा हो जाती हैं तथा आप खिली-खिली महसूस करती हैं।

ताजा हरी धनिया पत्तियों को ग्राइन्डर में डालकर पानी डालकर इसे ग्राइन्ड करके पेस्ट बना लें। अब इस मलमल को कपड़े या स्ट्रेनर की मदद से जूस अलग कर लें। थोड़े से जूस में चुटकी भर हल्दी मिलाकर बने पेस्ट को रात को सोते समय चेहरे पर लगाकर सुबह ताजे पानी से धोने से त्वचा में निखार आता है।

वो रात जब तड़तड़ाहट में दबीं गर्भवतियों की चीखें, मौत के 'जबड़े' से ये नर्स खींच लाईं 20 बच्चे

(जीएनएस)।

मुंबई शहर और 26 नवंबर 2008 की काली भयानक रात। बाहर अङ-47 की तड़तड़ा रही थीं, ग्रेनेड फट रहे थे, ताज की लॉबी में आग की लपटें उठ रही थीं। और कामा एंड अल्बलेस अस्पताल की पहली मंजिल पर... एक साधारण-सी सफेद वर्दी वाली नर्स अंजलि कुलथे (अल्ल्ं' ङ४'ॐ) खामोशी से 20 गर्भवती औरतों की सांसें संभाल रही थीं। बाहर आतंक था। अंदर... उम्मीद। 'दीवार फांदकर दो लड़के आए... एक ने गोली चलाई, नर्स की सहकर्मी की साड़ी रक्त से लाल हो गई', वक्त था रात करीब 10:30 बजे।

खून से तर साड़ी में सहकर्मी जाधव को अंजलि ने खींचकर अंदर लिटाया, लेकिन कुछ ही मिनटों में सहकर्मी जाधव चली गईं। उसके बाद अंजलि को समझ आ गया- ये कोई छोटी-मोटी गोलीबारी नहीं, ये मौत का तांडव था। और ठीक उसी वक्त उनकी नजर पड़ी प्रसूति वार्ड पर। 20 गर्भवती महिलाएं। कुछ की डिलीवरी बस होने वाली थी। कुछ नवजात शिशु साथ लेटे थे। अंजलि ने एक पल भी नहीं गंवाया। उन्होंने लोहे का भारी-भरकम दरवाजा बंद किया। फिर धीरे से सबको पेंट्री के सबसे अंदर वाले छोटे-से कमरे में ले जाकर छिपाया।

'कोई आवाज मत करना... मैं हूं ना।'

जब पेंट्री में एक मां को प्रसव-पीड़ा हुई हथगोले फट रहे थे। इमारत हिल रही थी। महिलाएं डर से कांप रही थीं। अचानक एक गर्भवती महिला का चेहरा पीला पड़ गया- उसका ब्लड प्रेशर आसमान छूने लगा। प्रसव शुरू हो गया। अंजलि ने उसका हाथ थामा और फुसफुसाई, 'डर मत... मैं ले जा रही हूं। बस मेरे साथ चल।' बाहर गोलियां। सीढ़ियों पर खून के छींटे। अंजलि ने उस महिला को कंधे पर हाथ रखकर लेबर रूम तक पहुंचाया। डॉक्टर नहीं आ पा रही थीं- नीचे गोलीबारी जोरों पर थी। तो अंजलि ने खुद डिलीवरी कराई। बिना एक चीख के। बिना एक रोने की आवाज के।

जैसे पूरी इमारत में सिर्फ वो मां और उसका आने वाला बच्चा ही बाकी हों। और जब बच्चे की पहली किलकारी गूंजी...अंजलि की आंखों में आंसू आ गए। बाहर मौत नाच रही थी, अंदर एक नई जिंदगी ने सांस ली।

सुबह 6 बजे - जब दरवाजा खटखटाया पुलिस ने

अंजलि बताती हैं कि 'मैं मां को अपने बच्चे की बलि नहीं देने देना चाहती थी' बाद में जब उनसे पूछा गया कि डर नहीं लगा? तो अंजलि दीदी ने सिर्फ इतना कहा- 'मैं नर्स हूं। मेरी वर्दी में बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। और उस रात मेरे वार्ड में 20 माएं थीं। मैं किसी मां को आतंकवादियों के हाथों अपने बच्चे की बलि नहीं चढ़ने देना चाहती थी।'

पूरी रात अंजलि महिलाओं के बीच बैठी रहीं। सबको हिम्मत बंधाती रहीं। सुबह जब पुलिस ने दरवाजा खटखटाया और बोला - 'सब सुरक्षित हैं, दरवाजा खोलिए', तब पहली बार किसी ने राहत की सांस ली। 20 गर्भवती महिलाएं। 20 नवजात शिशु (जिनमें से एक उस रात पैदा हुआ)। सब जिंदा।

जब कसाब अदालत में मुस्कुराया साल 2010। अदालत में अजमल

कसाब को पेश किया गया। अंजलि को गवाही के लिए बुलाया गया। परिवार डर गया- बोला, 'मत जाओ, जान को खतरा है।' लेकिन अंजलि वर्दी पहनकर पहुंचीं। कसाब ने उन्हें देखकर मुस्कुराया और कहा, 'मैडम, आपने मुझे पहचान लिया ना? मैं अजमल कसाब हूं।' अंजलि ने शांत स्वर में जवाब दिया- 'हां, मैंने पहचान लिया। और उस रात तुमने जो किया, वो भी मैं कभी नहीं भूलूंगी।'

आज भी रीढ़ में सिहरन दौड़ जाती है

17 साल बीत गए। लेकिन जब भी अंजलि उस रात को याद करती हैं, उनकी आवाज भर्रा जाती है। 'नींद नहीं आती थी, कई दिनों तक...रात को अचानक जाग जाती हूं। उस खून, उन चीखों को आज भी सुनती हूं। लेकिन साथ ही उस बच्चे की पहली किलकारी भी याद आती है...जो मैंने उस रात बचाई थी।'

अवध की तहजीब, संस्कृति और विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से 'हेरिटेज ऑफ अवध' द्वारा एक परिचर्चा का आयोजन

(जीएनएस)।

लखनऊ। करन्ट मीडिया । अवध की तहजीब, संस्कृति और विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से 'हेरिटेज ऑफ अवध' द्वारा एक परिचर्चा का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में लखनऊ की कई सम्मानित हस्तियों ने शिरकत की और अपनी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा को बढ़ाया।

कार्यक्रम में बोलते हुए मशहूर इतिहासकार रोशन तक़ी ने कहा कि आज के दौर में इस बात की बहुत जरुरत है कि गंगा जमुनी तहजीब को जिन्दा रखने की कोशिश की जाए । रोशन तक़ी ने आगे कहा कि अंग्रेजो ने लखनऊ के इतिहास को तोड़ मरोड़ के पेश करते हुए ऐसा तास्सुर देने का प्रयास किया कि सभी नवाब नाकारा और अय्याश थे । अब जरुरत है कि इन बातों की मुखलिफत की जाए जो गलत फैलाई गई हैं । और सही बातों से लोगों को अवगत कराया जाए।

लखनऊ के नवाबों में शुमार किये जाने वाले मसूद अब्दुल्ला ने लखनऊ के खानों के बारे में जानकारी दी । इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने हेरिटेज के बारे में बताते हुए कहा कि हम लोगों को जो मालूम है वह हम नई पीढ़ी को बताए जिससे हमारी विरासत को आगे बढ़ाने में मदद मिल सके ।

कार्यक्रम में बोलते हुए रिटायर्ड जज बी.डी. नकवी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि अवध की विरासत सिर्फ भवनों, इमारतों या इतिहास की पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी रोजमर्रा की जिंदगी, हमारी बोलचाल, पहनावे, भोजन, तहजीब और आपसी मोहब्बत की मिसाल है। नकवी ने आगे कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज को जोड़ते हैं और लोगों में अपनी विरासत के प्रति गर्व का एहसास कराते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य रुप से पूर्व मंत्री इंसराम अली,पूर्व मंत्री मोईद अहमद, पूर्व मंत्री अब्दुल मन्नान, सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व समाजसेवी डा0अजीज खान , बसपा के लखनऊ नगर अध्यक्ष शान खान,समाजसेवी अरशद आजमी, फिल्म मेकर तारिक खान , डा0नफीस अहमद, डा0एम0ए0खान, डा0मुबशशिर , बिजनेसमैन और समाजसेवी शेख तारिक खान(जीएनएस)। मेराज हैदर,हिलाल नकवी, नावेद अहमद,आसिफ खान,कमाल खान,अली हसन,रियाज अल्वी,शराफत अली, मो0अनीस,फजील अहमद आदि लोगों ने शिरकत करके अपने विचार रखे और कार्यक्रम को कामयाब बनाया

अंत में, हेरिटेज ऑफ अवध ट्रस्ट ने यह संदेश दिया कि जिस समाज का इतिहास समृद्ध होता है, उसका भविष्य भी उतना ही उज्ज्वल होता है। आयोजकों ने विश्वास जताया कि आगे भी ऐसे कार्यक्रम होते रहेंगे, जो अवध की अनूठी संस्कृति को विश्व पटल पर भी नई पहचान दिलाने का प्रयास करेंगे । अंत में कार्यक्रम संचालक मुजतबा खान ने सबका शुक्रिया अदा किया।

एथर एनर्जी : 2026 की दूसरी तिमाही में प्रभावशाली प्रदर्शन दर्ज किया

कंपनी ने अपना बाजार हिस्सा बढ़ाकर 17.4% तक पहुँचाया, साथ ही लाभ मार्जिन में भी उल्लेखनीय सुधार हासिल किया।

लखनऊ, 25 नवंबर 2025: एथर एनर्जी, जो भारत की जानीमानी इलेक्ट्रिक दो-पहिया वाहन बनाने वाली कंपनी है, उसने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। कंपनी के बाजार हिस्से, बिक्री और वित्तीय परिणामों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। इस तिमाही में कंपनी की तेज बढ़त इसलिए हुई क्योंकि उसने अपना कारोबार नए-नए शहरों तक फैलाया, अलग-अलग मॉडल पेश किए और मजबूत टेक्नोलॉजी पर ध्यान दिया। तिमाही के अंत में कंपनी का मार्केट शेयर 17.4% रहा, कुल 65,595 गाड़ियाँ बिकीं, और ईबीआईटीडीए मार्जिन में भी पिछले साल की तुलना में लगभग 1,100 बेसिस पॉइंट का सुधार हुआ, जो अब (10%) पर है। इन सब से साफ दिखाई देता है कि कंपनी की काम करने की रणनीति मजबूत है और उसका विकास लगातार जारी है।

मुख्य वित्तीय विशेषताएँ:

सितंबर 2025 में खत्म हुई तिमाही में एथर एनर्जी की कुल कमाई ₹940.7 करोड़ रही। यह पिछले साल की तुलना में 57% ज्यादा है और पिछली तिमाही से 40% ज्यादा है। यह बढ़त इसलिए हुई क्योंकि गाड़ियों की बिक्री लगातार बढ़ी और दाम भी स्थिर रहे। कुल कमाई में से 12% कमाई वाहन के अलावा दूसरी चीजों से हुई, जैसे एथर के सॉफ्टवेयर सब्सक्रिप्शन, चार्जिंग सेवाएँ, एक्सेसरीज, स्पेयर पार्ट्स और सर्विस।

यह दिखाता है कि कंपनी अपने पूरे ईकोसिस्टम यानि अपने पूरे सेवा और उत्पाद नेटवर्क को भी अच्छा और मजबूत बना रही है।

कंपनी के मुनाफे में सुधार जारी रहा, क्योंकि काम करने का तरीका बेहतरीन था और खर्चों को ध्यान से संभाला गया। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में समायोजित सकल मार्जिन ₹210.6 करोड़ रहा, जो पिछले साल की तुलना में 84% ज्यादा है।

यह सुधार इसलिए हुआ क्योंकि कंपनी ने उत्पादों को लागत के अनुसार बेहतर इंजीनियरिंग से बनाया।

अच्छे और मूल्यवान मॉडल ज्यादा बिके, गाड़ी के अलावा की कमाई (जैसे सॉफ्टवेयर सब्सक्रिप्शन) बढ़ती गई।

सकल मार्जिन अब बढ़कर 22% हो गया है, जो पिछले साल के मुकाबले लगभग 300 बेसिस पॉइंट ज्यादा है।

इस तिमाही में कंपनी का ईबीआईटीडीए प्रदर्शन काफी बेहतर हुआ, क्योंकि कंपनी ने खर्चों को नियंत्रित रखना जारी रखा। मार्जिन पिछले साल की तुलना में 1,100 बेसिस पॉइंट और पिछली तिमाही की तुलना में 600 बेसिस पॉइंट बेहतर होकर (10%) तक पहुँच गया। ईबीआईटीडीए का नुकसान घटकर ₹90.7 करोड़ रह गया, और वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में टैक्स के बाद कुल नुकसान ₹154.1 करोड़ रहा। यह दिखाता है कि एथर की वित्तीय स्थिति लगातार बेहतर हो रही है और कंपनी तेजी से बढ़ते हुए लाभ की दिशा में आगे बढ़ रही है।

बाजार हिस्सेदारी की मुख्य बातें:

एथर एनर्जी ने भारत के इलेक्ट्रिक दो-पहिया बाजार में अपनी स्थिति और मजबूत की है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में इसका मार्केट शेयर 17.4% रहा। यह पिछले साल वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 12.1% था और इस साल की पहली तिमाही में 14.3% था। कंपनी ने इस तिमाही में 65,595 गाड़ियाँ बेचीं, जो पिछले साल की तुलना में 67% ज्यादा है। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में कुल 39,305 गाड़ियाँ बिकी थीं और पिछली तिमाही की तुलना में 42% ज्यादा है वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में लगभग 46,078 गाड़ियाँ बिकी थीं।

एथर ने दक्षिण भारत में अपनी बढ़त बनाए रखी और वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में इसका मार्केट शेयर

एसआईआर : ग्रामीणों ने मथुरा-वृंदावन के शिक्षित मतदाताओं को छोड़ा पीछे : मथुरा-वृंदावन के मतदाताओं की लापरवाही बन सकती है घातक

-जनपद मे 35 प्रतिशत फार्म की फीडिंग, मथुरा शहरी क्षेत्र में महज 20 प्रतिशत ही फार्म हुए जमा, डीएम ने लगाए शहर में अतिरिक्त डिप्टी कलेक्टर

-बूथ लेबल एजेंट की सक्रियता के मामले में समाजवादी पार्टी सबसे जयादा सक्रिय

मथुरा (जीएनएस)।भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) में इस बार ग्रामीण मतदाता शहरी मतदाताओं पर भारी पड़ते नजर आ रहे हैं। जनपद में अब तक लगभग 35 प्रतिशत फॉर्मों की फीडिंग पूरी हो चुकी है, जबकि शहरी विधानसभा क्षेत्र मथुरा के मतदाता महज 20 प्रतिशत आंकड़े को ही छू सके हैं। शहरी क्षेत्र की धीमी प्रगति को देखते हुए डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने प्रत्येक 50 बूथ पर एक डिप्टी कलेक्टर की तैनाती कर दी है। सूत्र बताते हैं डिजिटाइजेशन के मामले में मथुरा-वृंदावन विधानसभा पूरे यूपी में सबसे पीछे है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिले में एसआईआर की प्रक्रिया समय से पूर्ण कराने के लिए जिला प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है। डीएम समय से कार्य पूरा हो इसके लिए मतदाताओं और बीएलओ को प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसीक्रम में छाता विधानसभा के बीएलओ संजय भार्गव को निर्धारित समय से 11 दिन पहले काम पूरा करने पर डीएम ने न केवल प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया, बल्कि उनके परिवार समेत श्रीबांके बिहारी जी के वीआईपी दर्शन और वृंदावन के फन लैंड पार्क में लंच की विशेष व्यवस्था भी करायी है। डीएम की इस पहल से पिछले दो दिनों में फॉर्म जमा करने और फीडिंग की रफ्तार में तेजी आयी है। अब जनपद में फार्म जमा और फीडिंग का आंकड़ा 35 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गया है। इसके बावजूद मथुरा-वृंदावन शहरी क्षेत्र अभियान में काफी पीछे चल रहा है।शिक्षित आबादी अधिक होने के बावजूद यहां सिर्फ 20 प्रतिशत फॉर्म ही जमा हो सके हैं। प्रदेश स्तर पर भी मथुरा विधानसभा की यह स्थिति कमजोर बनी हुई है, इसलिए जिला प्रशासन की चिंता का भी कारण है। इधर अभियान में राजनीतिक दलों के सहयोग की बात करें तो समाजवादी पार्टी अब तक सबसे सक्रिय दिखाई दे रही है। अल्पसंख्यक क्षेत्रों समेत अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में सपा का नेटवर्क तेजी से काम कर रहा है। कांग्रेस और बसपा की स्थिति यहां कमजोर बतायी जा रही है। वहीं भाजपा ने भी अब अभियान में पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा महानगर अध्यक्ष राजू यादव के अनुसार बीएलए-2, बूथ अध्यक्ष और बूथ प्रभारी की तीन सदस्यीय टीम बीएलओ को बूथ-स्तर पर हर संभव सहयोग दे रही है। महानगर अध्यक्ष ने बताया कि दो दिन पहले तक जहां मथुरा में केवल 12 प्रतिशत फॉर्म जमा हुए थे, वहीं यह आंकड़ा बढ़कर 20 प्रतिशत और आज के अंत तक 30 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है। कहा कि 28 नवंबर तक शहरी क्षेत्र में कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं दूसरी ओर डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा सभी बीएलओ पूरी लगन से कार्य कर रहे है।उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार एसआईआर का कार्य आगामी 4 दिसंबर तक पूर्ण कर दिया जाएगा।

अमित कुमार श्रीवास्तव ने पीएनबी के कार्यपालक निदेशक का पदभार संभाला

25 नवंबर 2025: श्री अमित कुमार श्रीवास्तव ने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग की अधिसूचना के तहत, 24 नवंबर 2025 की प्रभावी तिथि से पंजाब नेशनल बैंक के बोर्ड में कार्यपालक निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उनका कार्यकाल तीन साल या सेवानिवृत्ति की आयु तक, जो भी पहले हो, रहेगा।

वह अपने साथ 31 वर्षों से अधिक का समृद्ध और बहुआयामी बैंकिंग अनुभव लेकर आए हैं। अपने विशिष्ट करियर के दौरान, उन्होंने शाखा बैंकिंग, ट्रेजरी प्रबंधन और जोखिम प्रबंधन सहित कई महत्वपूर्ण परिचालन और नेतृत्वकारी पदों पर कार्य किया है, जिससे उन्हें बैंकिंग परिदृश्य की गहन और समग्र समझ बनाने में मदद मिली है।

श्री श्रीवास्तव ने मार्च'94 में अपनी प्रोफेशनल यात्रा शुरू की और तब से उन्होंने विभिन्न भूमिकाओं में काम किया है, जिसमें पीएनबी के जोधपुर अंचल के जोनल प्रबंधक का पद भी शामिल है। इस पदोन्नति से पहले, उन्होंने पीएनबी के क्रेडिट समीक्षा एवं निगरानी विभाग में सीजीएम और ग्रुप चीफ रिस्क ऑफीसर के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने बैंक के रिस्क गवर्नेंस को मजबूत करने, मजबूत ढाँचों को संस्थागत बनाने और पूरे संगठन में विवेकपूर्ण जोखिम प्रबंधन की संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वह बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (इलव) के पूर्व छात्र हैं जिन्होंने विज्ञान में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री और आईसीएफएआई से ट्रेजरी एवं फॉरेक्स मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त किया है। वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स के एक सर्टिफाइड एसोसिएट (सीएआईआईबी) भी हैं और उन्होंने आधुनिक जोखिम, सस्टेनेबिलिटी और वित्तीय प्रबंधन प्रथाओं पर अपनी मजबूत पकड़ को दशार्ते हुए, विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाण-पत्र अर्जित किए हैं, जिनमें जीएआरपी (यूएसए) से सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट रिस्क (एससीआर) प्रमाणन, प्रोफेशनल रिस्क मैनेजर, और रिस्क इन फाइनेंशियल सर्विसेज शामिल हैं।

उनके इस पद पर नियुक्त होने से, पीएनबी ने अपने नेतृत्व की कतार को और मजबूत किया है, जिससे गवर्नेंस उत्कृष्टता, रणनीतिक दूरदर्शिता, टिकाऊ विकास और व्यापार विस्तार के प्रति उसकी प्रतिबद्धता सुदृढ़ होती है।

हिंदूवादी गौ-रक्षक, दक्ष चौधरी समेत पांच को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शराब के ठेकों को जबरन बंद कराने और अभद्रता करने के बाद चल रहे थे फरार

वृंदावन कोतवाली के बाहर जुटे गौ-रक्षकों को पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करके भगाया

मथुरा ब(जीएनएस)।थाना वृंदावन क्षेत्र स्थित सुनरख के पास शराब के ठेकों को जबरन बंद कराने वाले 5 गौ-रक्षक, हिंदुवादियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गौ-रक्षक दक्ष चौधरी समेत पांच हिंदुवादी को गिरफ्तार करने की सूचना पर हिंदुवादी युवाओं की भीड़ जुट गई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करके हिंदुवादी युवाओं को तितर-बितर कर दिया। जानकारी के अनुसार विगत दिनों थाना वृंदावन क्षेत्र में सुनरख रोड़ शराब के ठेकों को गौ-रक्षक दक्ष चौधरी और साथियों ने जबरन शटर गिराकर बंद कर दिया था। शराब ठेकों के सेल्समैन ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी। उसी समय से पुलिस नामजदों को गिरफ्तार करने के लिए दबिशें दे रही थी। वृंदावन पुलिस का दावा है कि मुखबिर की सूचना पर फरार आरोपी युधिष्टर पुत्र भागीरथ सिंह निवासी सिवाया थाना धौलाना जिला हापुड़, अमित कुमार पुत्र रामकिशोर निवासी फ्लैट नंबर 102 नीलगिरी अपार्टमेंट, द्वारिका मोड़ थाना मोहनगण जिला पश्चिमी दिल्ली, अभिषेक पुत्र विजय बहादुर सिंह निवासी गामड़ी चौथा पुस्ता थाना उस्मानपुर जिला पूर्वी दिल्ली, मूल निवासी ग्राम कुम्भी थाना शिवगढ़ जिला रायबरेली, दक्ष चौधरी उर्फ दीपक पुत्र राधेश्याम निवासी गली नंबर 3 शास्त्री पार्क थाना उस्मानपुर जिला पूर्वी दिल्ली और दुर्योधन उर्फ विशाल सिसौंदिया पुत्र संतोष कुमार निवासी गांव दादोपुर खटाना थाना जारचा जिला गौतमबुद्धनगर को सुनरख रोड़ स्थित देशी शराब के ठेका के सामने खाली ग्राउंड से गिरफ्तार किया है। बता दें कि विगत 17 नवंबर को पकड़े गए आरोपियों ने शराब के सरकारी ठेका पर पहुंच कर सेल्समैन समेत अन्य कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज करते हुए शराब के ठेका का शटर गिराकर सभी लोगों को अंदर बन्द कर दिया था तथा शराब खरीदारी करने आए लोगों के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। इस हंगामे के कारण तीनों दुकानें एक घंटा बंद रहीं जिससे 50 हजार के राजस्व की हानि होने का दावा किया था। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

कोसी पुलिस और आबकारी टीम ने अवैध शराब से भरी कार और ट्रक समेत तीन तस्कर दबोचे

पुलिस से बचने के लिए ट्रक को एस्कॉट कर रहे थे पकड़े अन्तर्राज्यीय गए तस्कर

मथुरा (जीएनएस)।थाना कोसीकलां क्षेत्र स्थित नन्दगांव रोड़ से पुलिस ने अवैध शराब से भरे ट्रक और कार समेत पुलिस ने 3 अन्तर्राज्यीय शराब तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए तस्कर, कार से ट्रक को एस्कॉट करते हुए चल रहे थे, जिससे पुलिस की गतिविधि पर नजर बनी रहे। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्रोक कुमार के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कोसीकलां अजय कौशल और आबकारी निरीक्षक छाता अंजली शर्मा पुलिस टीम के साथ अवैध शराब तस्करों की तलाश में चेकिंग कर रहीं थीं। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि अवैध शराब से भरे ट्रक को पुलिस की नजरों से बचाने के लिए कार में सवार तस्कर, आगे-आगे एस्कॉट करते हुए चल रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजय कौशल और आबकारी निरीक्षक अंजली शर्मा पुलिस टीम में एसआई कुंजन चौधरी, मुख्य आरक्षी सुमित कुमार, राकेश धनकड़, सोनू सांगवान, अमित कुमार औरत संदीप पीलवान के साथ नन्दगांव रोड़ स्थित शनिदेव बड़ी मूर्ति के पास पहुंच गए। उसी दौरान शराब से भरे ट्रक को एस्कॉट करते हुए चल रही कार और ट्रक में सवार अन्तर्राज्यीय तस्कर सौरभ पुत्र राकेश निवासी गली नंबर 73 तीसरा 60 फुटा रोड़ थाना बदरपुर (दिल्ली) फहेयाद पुत्र बाबू निवासी मनियां थाना मनियां जिला धौलपुर (राजस्थान) और आकाश पुत्र रामप्रकाश निवासी हैदरपुर थाना कोलारी जिला धौलपुर (राजस्थान) को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़ी गई वैगनआर कार की तलाशी ली तो उसके अंदर से हरियाणा निर्मित अवैध विदेशी मदिरा की 9 पेटी और ट्रक के अंदर से 61 पेटी समेत कुल 70 पेटी अवैध शराब बरामद की हैं। पुलिस ने बरामद शराब की कीमत 5 लाख रूपए बतायी है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

हिन्दुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव : छठी सांस्कृतिक संध्या में पर्वतीय डांस ने बांधा समां, आरोही इंटरटेनमेंट की शानदार प्रस्तुति

लखनऊ -25 नंबर 2025 : कानपुर रोड एलडीए कालोनी के स्मृति उपवन में आयोजित माँ गायत्री जन सेवा संस्थान एवं नीशू वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव की छठी सांस्कृतिक संध्या पर मंगलवार को अरुण प्रताप सिंह, गुंजन वर्मा ,रणवीर सिंह , हेमू चौरसिया ने दीप प्रज्जवलित कर किया। महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या कला, संस्कृति और संगीत से सजी एक अनुपम संध्या में रु कू माई कोटा ..... ढाले ढाले .... पर्वतीय सांग पर आशिनी गुरुग और वरौनिका ने नृत्य कर दर्शको मंत्रमुग्ध किया। तत्पश्चात ह्आरोही इंटरटेनमेंटह्व द्वारा प्रस्तुति में ऑगेर्नाइजर एवं मुख्य गायक संजय श्रीवास्तव ने अपनी मधुर आवाज और भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। धीरेझधीरे से मेरी जिंदगी में आना.....चुरा लिया है तुमने जो दिल को सांग संजय एवं कोमल की जुगलबंदी ने श्रोताओं का दिल जीता।मनमोहक प्रस्तुति के बाद शांभवी ने माई भवानी ....नृत्य प्रस्तुत कर सांस्कृतिक पंडाल से दर्शको का भक्ति भाव से विभोर कर दिया।

इस अवसर पर महोत्सव समिति के रोली सिंह चौहान,मोनालिसा, मनोज सिंह चौहान, रोली जयसवाल आदि उपस्थित रहे। मंच का संचालन प्रदीप शुक्ला द्वारा किया गया।

महोत्सव में आकर्षण का केंद्र बने झूले-

झूलों से सजा हिन्दुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव का आयोजन स्थल जनता के आकर्षण का केंद्र बन गया है। स्मृति उपवन में चल रहे महोत्सव में फन जोन और फूड जोन अपनी पूरी रौनक में आ गए है। फन जोन में झूलों की आकर्षक रेंज में नाव झूला, ज्वाइंट व्हील, ब्रेक डांस, भूत गुफा, टोरा- टोरा, ट्वाय ट्रेन, रेंजर, ट्वाय कार, ट्वाय जीप, ट्वाय हेलीकॉप्टर, ग्राइंड बेल व कोस्टर झूला शामिल है।

फूड जोन में पास्ता, पिज्जा, चाउमीन, मंचूरियन सहित लगभग एक दर्जन चटपटे आइटम मौजूद हैं। इसके अलावा फास्टफूड चिली पनीर, नूडल्स, मक्के दी रोटी सरसों के साग के साथ चाय व मोमोज उपलब्ध हैं। राजस्थानी फूड स्टाल पर आलू प्याज कचोरी, मूंगदाल कचोरी, मावा कचोरी, दही बड़ा के स्वाद का लुत्फ लोग ले रहे है।

एसआईआर : कांग्रेस जल्द करेगी दिल्ली में विशाल प्रदर्शन : मुकेश धनगर

मथुरा (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने एसआईआर को लेकर आ रही दिक्कतों और समयावधि बढ़ाने की मांग को लेकर सेठबाड़ा स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर प्रेसवार्ता में कहा कि भारत निर्वाचन आयोग जल्दबाजी में मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण करा रहा है। कहा कि कई बूथों पर बीएलओ को 2003 की मतदाता सूची उपलब्ध नहीं कराई गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि चुनाव आयोग केवल एक व्यक्ति के इशारे पर कार्य कर रहा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार अपने भ्रष्टाचार, वोट चोरी और लोकतंत्र एवं संविधान की हत्या जैसे कृत्यों को छिपाने के लिए एसआईआर जैसी प्रक्रिया का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव वर्ष 2027 में होने हैं, ऐसे में 4 नवंबर से 5 दिसंबर 2025 तक मात्र एक माह में मतदाता सूची का कार्य कैसे संपन्न हो सकता है। कहा कि इस प्रक्रिया से पहले व्यापक प्रचार-प्रसार और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का मत है कि चुनाव आयोग को निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ मतदाता सूचियों का कार्य करना चाहिए, जिसे करीब एक वर्ष की अवधि में पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी एसआईआर को लेकर बहुत जल्द दिल्ली में एक विशाल प्रदर्शन करेगी। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद और पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने चोरी-छिपे संविधान में संशोधन कर चुनाव आयोग को एकपक्षीय बना दिया है। मतदाता सूचियों के कार्य में लगे बीएलओ और आम जनता दहशत में हैं। इस दौरान जिला प्रवक्ता उमाशंकर शर्मा, वैद्य मनोज गौड़, अप्रतिम सक्सैना, आदित्य तिवारी, तपेश गौतम, कसान रिजवी, शैलेंद्र चौधरी, रवि वाल्मीकि, अशोक कुमार, भगवान सिंह और दिलशाद खांन आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस ने चिता से शव निकाल कर पोस्टमार्टम को भेजा : प्रसव पीड़ा के बीच विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

मथुरा (जीएनएस)। थाना राया क्षेत्र स्थित गांव मदैम में प्रसव के एक दौरान विवाहिता की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को चिता से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार नगीना की शादी तीन साल पूर्व सुल्तान निवासी ग्राम नखलई थाना अवागढ़ जिला एटा के साथ हुई थी। बताते चलें कि दो दिन पूर्व प्रसव पीड़ा के दौरान नगीना की हालत बिगड़ गई थी। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे उपचार के लिए आगरा ले गए थे, जहां सोमवार की देर शाम को उसकी मौत हो गई। परिजन मृतक के शव को लेकर गांव आ गए और अंतिम संस्कार करने लगे। इसकी सूचना किसी ग्रामीण ने डायल 112 पर और मायका पक्ष के लोगों को दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को चिता से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद पुलिस ने मृतका के पति को हिरासत में ले लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।